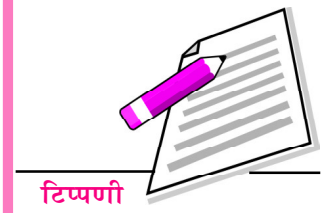

टिप्पणी

13

भारतीय सेना

प्रस्तुत पाठ में आप भारतीय सशस्त्र सेनाओं- थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना उनकी भूमिका कार्य संगठन तथा रैंक संरचना का अध्ययन करेंगे। इससे पहले की आप ये जानें कि आज हमारी सशस्त्र सेनाएं किस प्रकार संगठित है, आपको यह समझना चाहिए कि हमारी सेना किस प्रकार कई वर्षों की अवधि में एक आधुनिक युद्ध मशीन में परिवर्तित हुई। पिछले पाठों में आपने हमारी प्राचीन सेनाओं, मुगल सेनाओं तथा ब्रिटिश काल के दौरान देसी सेनाओं के बारे में पढ़ा है। मुगल काल तक सेना में परिवर्तन धीमा था। बाद में प्रौद्योगिकी तथा नए हथियारों और गोला बारूद के कारण लड़ाई का तरीका तेजी से बदला गया और सेनाएं गोला बारूद तथा हथियारों से लड़ने के लिए आधुनिकता की ओर बढ़ने लगी। विमानों के आविष्कार, पहियों वाले वाहनों तथा बाद में ट्रैक ने युद्ध लड़ने के तरीकों से बहुत अधिक बदलाव किया। भारत ने विश्व युद्धों के अनुभव से भी सीखा और बहुत से बदलाव किए।

उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप:-

- ब्रिटिश शासन के दौरान तथा स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र सेना में हुए परिवर्तनों के तरीकों का विश्लेषण कर सकेंगे;
- भारतीय सेना की भूमिका और कार्यों का वर्णन कर सकेंगे;
- भारतीय सेना की संरचना व संगठन का वर्णन कर सकेंगे;
- भारतीय सेना की महत्वपूर्ण हथियार प्रणालियों की पहचान कर सकेंगे।

13.1 भारतीय सशस्त्र सेना का ऐतिहासिक परिवर्तन

भारतीय सेना में परिवर्तन तथा विस्तार चरणबद्ध तरीके से हुआ है। भारतीय सशस्त्र बलों के इतिहास में विभिन्न काल खंडों में यह परिवर्तन हुए हैं। भारतीय सेना में परिवर्तन के विभिन्न चरण इस प्रकार हैं।

टिप्पणी

- ब्रिटिश शासन के दौरान भारत की सैन्य संरचना
- स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों में हुए परिवर्तन
- 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद सशस्त्र बलों का पुनर्गठन
- 1975 में के. वी. कृष्णा राव रिपोर्ट के बाद किए गए सुधार

13.1.1 ब्रिटिश राज में भारतीय सेना

अंग्रेजों ने कभी भी भारतीयों पर भरोसा नहीं किया। सैन्य विद्राहों के कारण अंग्रेजों ने देसी सेनाओं का निर्माण किया। भारतीय सैनिकों को कोई हथियार नहीं दिया जाता था। भारतीय सैनिकों के साथ सौतेला व्यवहार होता था। जब ब्रिटिश सरकार ने ईस्ट इंडिया कंपनी से सत्ता संभाली तो उन्होंने एक भारतीय तथा एक ब्रिटिश सेना बनाई, जिनका अधिकारी अंग्रेज होता था। भारतीय सैनिकों के बैराक (सिपाहियों के रहने के स्थान) अंग्रेजों से अलग थे।

ब्रिटिश भारतीय सेना में अधिकतर अफसर ब्रिटिश होते थे। ब्रिटिश भारतीय सेना में वाइसराय कमीशन्ड अफसर होते थे जो भारतीय थे। वायसराय द्वारा इनकी नियुक्ति उनके नेतृत्व तथा क्षमता को आधार पर होती थी। 1920 के दशक में भारतीयों को इंग्लैंड में रायल मिलिट्री कालेज सैंडहर्स्ट में प्रवेश की अनुमति थी और वे किंग्स कमीशन्ड अफसर बनते थे। 1930 में भारतीयकरण की व्यवस्था प्रारंभ हुई जिससे भारतीयों को अंग्रेज अफसरों के बदले नियुक्ति दी गयी। विभिन्न धर्मों तथा वर्गों से सैनिकों की भर्ती की गयी। इसका प्रमुख उद्देश्य भारत में पुलिस वर्गों की शुरूआत करना था। प्रथम विश्व युद्ध में भारतीयों ने विदेशी धरती पर अपनी सेवाएँ दीं। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक भारतीय सेना सबसे बड़ी स्वैच्छिक सेना बन गयी। पिछली इकाई में आपको भारतीयों के विश्व युद्ध में योगदान के बारे में विस्तार से बताया गया है।

13.1.2 स्वतंत्र भारत में सशस्त्र सेना

ब्रिटिश काल में भारतीय सेना को ब्रिटिश सेना की तर्ज पर बनाया गया था। आज़ादी के समय संपूर्ण सेना को भारत व पाकिस्तान के बीच विभाजित किया गया था। फील्ड मार्शल क्लाड औचिनलेक (भारतीय सेना के कमांडर) ने भारतीय सेना की नई संरचना पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। उसने यह सुझाव दिया कि 2 लाख की सेना को 10 भागों में विभाजित किया जाए जिस पर आंतरिक सुरक्षा का दायित्व हो। वायुसेना के अंतर्गत 20 स्कवाड्रन तथा 69 जहाजी बेड़ों की नौसेना हो। किंतु भारत व पाकिस्तान के बँटवारे से यह रिपोर्ट अमल में नहीं आ सकी। सरकार ने इस रिपोर्ट पर आधारित परिवर्तन धीरे-धीरे किए।

13.1.3 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद सेना का पुनर्गठन

1962 का भारत चीन युद्ध लद्दाख व अरूणाचल प्रदेश में हुआ था। इसके बारे में आप अगले पाठ में पढ़ेंगे। इस युद्ध से सेना में कई नए संरचनात्मक परिवर्तन हुए। सरकार को एक सशक्त सेना की जरूरत महसूस हुई। सरकार ने रक्षा पर खर्च बढ़ाने का इरादा किया। ये परिवर्तन सभी स्तरों पर हुए। प्रश्न यह उठता है कि ये परिवर्तन क्या थे?

(क) सरकार ने सैनिकों की संख्या 5,50,000 से बढ़ाकर 8,25,000 करने की स्वीकृति दी।

(ख) वायुसेना का आकार बढ़ाने तथा नौसेना को 69 जहाज देने का निर्णय किया गया।

(ग) पहाड़ी इलाकों तथा अरूणाचल प्रदेश, लद्दाख तथा उत्तराखंड में लड़ाई लड़ने योग्य सेना के डिवीजन गठित करने का निर्णय लिया गया।

(घ) 7.62 मिमी. राइफल तथा हल्की मशीन गन को नए हथियार के रूप में शामिल किया गया।

चित्र 13.1 : 7.62 मिमी. लाइट मशीन गन *7.62 मि.मी. राइफल*

(ङ) कुछ अन्य परिवर्तन इस पुस्तक में नहीं दिए गए हैं। यदि छात्र चाहें तो इंटरनेट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

13.1.4 1975 में के.वी. कृष्ण राव रिपोर्ट के बाद किए गए सुधार

1975 में सरकार ने एक दीर्घकालीन कमेटी का गठन किया। इसका प्रयोजन सशस्त्र सेना को 2000 तक आधुनिक बनाना था। इसके अध्यक्ष जनरल के.वी. कृष्ण राव थे, जो भारतीय सेना के 12वें सेना प्रमुख थे। उनकी रिपोर्ट के अनुसार अनेक परिवर्तन किए गए। जिनमें प्रमुख थे- हेलीकॉप्टर को शामिल करना, बोफोर्स (BOFORS) बंदूकों तथा ट्रैक वाहनों जैसे बी.एम.पी. और टी-72 टैंक को शामिल करना। इनसे सेना में लड़ाई की क्षमता बढ़ी और वह दुश्मन के खिलाफ़ लड़ पाई। युद्ध जीतने योग्य एक आधुनिक सेना में परिवर्तित हुई।

क्रियाकलाप 13.1

निम्नलिखित के चित्र एकत्र करके अपनी नोट बुक में चिपकाएँ-

1. चीता हेलीकॉप्टर
2. बोफोर्स गन
3. टी-70 एमआई टैंक

पाठगत प्रश्न 13.1

1. ब्रिटिश राज में मिलिट्री कोर्स हेतु भारतीय सैनिक कहाँ गए थे?
2. भारतीय सेना के पुन: गठन विभिन्न चरणों के नाम लिखिए।

13.2 भारतीय सेना की भूमिका

भारतीय सेना विश्व की तीसरी बड़ी सेना है और विश्व की ताकतवर सेना है। इसमें लगभग 11 लाख पुरुष व महिला सैनिक हैं। इस सेना का मुख्यालय नई दिल्ली है। आपने सेनापति के बारे में पढ़ा है जो राजा की सेना का नेतृत्व करता था। इसी प्रकार आधुनिक सेना में भी सेनापति होते हैं जिन्हें सेनाध्यक्ष कहा जाता है। उन्हें जनरल की पदवी दी जाती है। हर वर्ष 15 जनवरी को थल सेना दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाता है। यह दिवस नई दिल्ली में मिलिट्री परेड तथा अन्य प्रस्तुतियों के साथ मनाया जाता है।

इसी दिन लेफ्टिनेंट जनरल के. एम. करिप्पा ने आजाद भारत के पहले मुख्य कमांडर के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने यह पद 1948 में ग्रहण किया था। यह दिन उन बहादुर सिपाहियों को सलाम करने का भी है जिन्होंने इस देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

चित्र 13.2 : जनरल के. एम. करिप्पा : आज़ाद भारत के प्रथम मुख्य कमांडर

क्रियाकलाप 13.2

ज्ञात कीजिए कि भारतीय सेना का ध्वज कैसा दिखता है? इस ध्वज के कम से कम चार चित्र एकत्र कीजिए और अपनी नोटबुक में चिपकाइए।

भारतीय सेना का उद्देश्य है स्वयं से पहले सेवा (Service before self)

1. भारतीय सेना का प्रमुख कार्य बाह्य आक्रमण, धमकियों तथा खतरों एवं आंतरिक विद्रोह से भारत की रक्षा करना है। इसका क्या तात्पर्य है? इसका अर्थ है कि हमारी सीमा आक्रमणकारी से बची रहे; आंतरिक विद्रोह का ध्यान रखे, राष्ट्रीय आपदा के समय आम आदमी की सहायता करना तथा जान बचाना। (राष्ट्रीय आपदा-बाढ़ या भूकंप)
2. इस कार्य को प्राथमिक तथा द्वितीयक के रूप में बांट सकते हैं। सेना का प्राथमिक कार्य देश की सुरक्षा, संप्रभुता, सीमा क्षेत्र तथा एकता बनाये रखना है। द्वितीय कार्य में प्राकृतिक आपदा में नागरिक अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों में मानवीय सहायता प्रदान करना है।

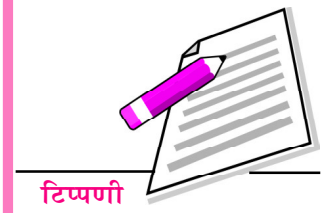

टिप्पणी

भारतीय नौसेना की भूमिका

- सीमाओं की रक्षा करना-आक्रमणकारियों से देश की रक्षा करना।
- विद्रोहियों से नागरिकों एवं सरकार की रक्षा करना।
- प्राकृतिक आपदाओं में नागरिक प्रशासन की सहायता करना।

13.2.1 भारतीय सेना के कार्य

भारतीय सेना के कार्य उनसे अपेक्षित कार्यों के रूप में व्यक्त किए जा सकते हैं-

- बाह्य आक्रमण का मुकाबला करने के लिए युद्ध करना।
- आंतरिक खतरों के विरुद्ध आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन को सुनिश्चित करना।
- शक्ति प्रदर्शन तथा अपने मित्र देशों के साथ संयुक्त अभ्यास करना।
- शांति बनाए रखना तथा मित्र देशों की सहायता करना। भारतीय सेना संयुक्त राष्ट्र संघ के मिशन कॉगो, सोमालिया आदि में तैनात है।
- प्राकृतिक आपदा तथा प्रशासन को मानवीय सहायता प्रदान करना।

क्रियाकलाप 13.3

विश्व के मानचित्र पर वे स्थान अंकित करें जहाँ संयुक्त राष्ट्र के मिशन पर भारतीय सेना को शांति स्थापना के लिए भेजा गया हो।

13.3 संगठन और संरचना स्वरूप

आधुनिक युद्ध का मैदान काफी जटिल और बड़ा है। भौगोलिक परिस्थितियों के कारण भारतीय सेना को विभिन्न परिस्थितियों में काम करने के लिए एक जटिल व्यवस्था की जरूरत है। सेना अलग-अलग संख्या की टुकड़ियों से बनी हुई है जो विभिन्न प्रकार के कार्य करने का कौशल व योग्यता रखती है। इनमें से कुछ लड़ाका, कुछ सहायक एवं सहयोगी टुकड़ियाँ होती हैं। अत: जब कोई बल गठित किया जाता है तो इसमें विभिन्न प्रकार की टुकड़ियाँ होती हैं।

इस प्रकार सेना की संरचना व संगठन उनके द्वारा की गई सेवा तथा संख्या बल से निर्धारित होता है। संख्या के आधार पर सेना के संगठन को निम्न प्रकार से बाँटा जाता है- सेक्शन (10 सिपाही), प्लाटून (36 सिपाही का दस्ता), कंपनी, बटालियन, बिग्रेड, डिवीजन, पलटन/कोर (कोर्प्स) और कमांड। कई बार इनको अनेक परंपरागत नाम से भी जाना जाता है। जैसे- बैटरी अथवा स्क्वाड्रन (कंपनी के बराबर), रेजिमेंट (बटालियन के बराबर), ट्रुप्स (Troop) (दस्ते के बराबर) और टुकड़ी (सेक्शन के बराबर)। बंदूकों वाली रेजिमेंट में टुकड़ियां होती हैं जबकि टैंक वाली रेजिमेंट में टुकड़ियाँ और स्क्वाड्रन्स होते हैं।

13.3.1 भारतीय सेना की कमांड व नियंत्रण

भारत के राष्ट्रपति समस्त सेनाओं के उच्चतम कमांडर (Supreme Commander) हैं। चुनी हुई राजनीतिक नेतृत्व यानि भारत सरकार सेना को नियंत्रित करती है। कार्यपालिका का नियंत्रण कैबिनेट मंत्री, रक्षा मंत्री तथा चीफ़ ऑफ स्टाफ कमेटी (COSC) और तीनों सेनाओं (थल, जल व वायु) के अध्यक्षों द्वारा मिलकर किया जाता है। रक्षा मंत्रालय इनकी नियुक्ति, आर्थिक प्रबंधन तथा स्त्रोत प्रबंधन का कार्य करता है।

- **संरचना** - भारतीय सेना को विभिन्न समूहों में बाँटा गया है। हर टुकड़ी का अपना आकार, भूमिका, महत्व तथा उपकरण प्रालेख होता है। सभी समूहों में एक पदानुक्रमित कमांड तथा नियंत्रण व्यवस्था है। पूरी संरचना को सेना मुख्यालय नियंत्रित करता है।
- **कमांड** - भारतीय सेना के छः कार्यात्मक कमांड तथा एक प्रशिक्षण कमांड है। जिसमें से प्रत्येक की कमान लेफ्टिनेंट जनरल (Lieutenant General) रैंक के अधिकारी जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ के नियंत्रण में होती है। भारतीय सेना के निम्न कमांड हैं-
  - उत्तरी कमांड
  - पूर्वी कमांड
  - मध्य कमांड
  - पश्चिमी कमांड
  - दक्षिण-पश्चिमी कमांड
  - दक्षिण कमांड
  - सेना प्रशिक्षण कमांड
- **कोर** - यह सेना की फील्ड फार्मेशन हे जो कमांड के अंतर्गत आने वाले एक विशेष क्षेत्र के लिए जिम्मेदार होती है। एक कमांड में प्रायः दो या अधिक कोर होते हैं।
- **डिवीजन** - यह कोर के अंतर्गत आती है इसमें आमतौर पर लड़ाकू सैनिकों तथा सहायक तत्वों के तीन या अधिक ब्रिगेड होते हैं। यह इन्फैंट्री डिवीजन, बख्तरबंद डिवीजन, आर्टिलरी डिवीजन हो सकती हैं।
- **ब्रिगेड** - एक ब्रिगेड में प्रायः तीन या अधिक बटालियन होती है जिसमें सहायक तत्वों के साथ लगभग 3000 से 5000 लड़ाकू सैनिक शामिल होते हैं। सेना में स्वतंत्र ब्रिगेड भी होती हैं जो सीधे कोर कमांडर के अधीन काम करती हैं।
- **बटालियन** - इसमें लगभग 900 लड़ाकू सैनिक शामिल होते हैं। ये मुख्य लड़ाका टुकड़ी है।
- **कंपनी** - यह 100 से 150 सैनिकों को मिलाकर बनती है।

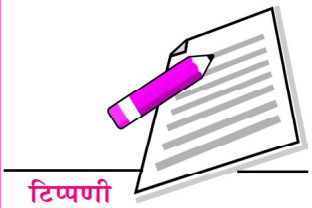

टिप्पणी

- **दस्ता/पलटन** - 36 सैनिकों के समूह को दस्ता कहते हैं। इसके अंतर्गत तीन सेक्शन (Section) होते हैं।
- **सेक्शन** - यह सेना की सबसे छोटी इकाई है। इसमें 10 सैनिक शामिल होते हैं।

(क) रैंक संरचना

सेना के अधिकारियों (Commissioned Officers) की रैंक संरचना नीची दी गई है।

Field Marshal फील्ड मार्शल
|
General जनरल
|
Lieutenant General लेफ्टिनेंट जनरल
|
Major General मेजर जनरल
|
Brigadier ब्रिगेडियर
|
Colonel कर्नल
|
Lieutenant Colonel लेफ्टिनेंट कर्नल
|
Major मेजर
|
Captain कैप्टन
|
Lieutenant लेफ्टिनेंट

(ख) जूनियर कमीशन्ड अफसर/नान कमीशन्ड अफसरों की रैंक संरचना

JCO / NCO की रैंक संरचना निम्न हैं।

Subedar Major सूबेदार मेजर
|
Subedar सूबेदार
|
Naib Subedar नायब सूबेदार
|
Havaldar Major हवलदार मेजर
|

Havaldar हवलदार
|
Naik नायक
|
Lance Naik लांस नायक
|
Jawan जवान

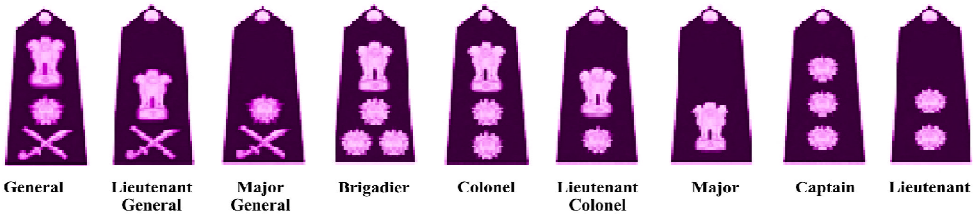

चित्र 13.3 भारतीय सेना में अधिकारियों के रैंक प्रतीक

13.3.2 भारतीय सेना की संरचना

भारतीय सेना को दो भागों में संगठित किया गया है। हथियार बंद (सशस्त्र) तथा सेवा। सशस्त्र सेना अन्य दलों को रक्षा प्रदान करती है जो सैन्य अभियानों का संचालन करते हैं तथा सेना के शेष घटक सेवा बल हैं। इनका प्राथमिक कर्त्तव्य सेना को रसद पहुँचाना तथा प्रशासनिक सहायता प्रदान करना है।

(क) लड़ाकू हथियार

- टैंकों का उपयोग करके आक्रामक अभियानों को चलाने वाले बख्तरबंद कोर
- ग्राउंड होल्डिंग तथा आक्रामक अभियानों के लिए इन्फैंट्री (पैदल सेना)
- मशीनों से लैस पैदल सेना जो ग्राउंड होल्डिंग पैदल सेना तथा तोपखाने एवं टैंकों की लड़ाका शक्ति को तीव्र गति प्रदान करती है।

(ख) सहायक हथियार

- बंदूक, मोर्टार, रॉकेट तथा मिसाइल का उपयोग करके लंबी दूरी की मारक क्षमता प्रदान करने के लिए तोपखाना
- रक्षा प्रणाली, पुल, सड़क, जलापूर्ति आदि की व्यवस्था करने के लिए इंजीनियर
- वायु मार्गों के द्वारा किए जाने वाले आक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए वायु रक्षा सेना
- हैलीकॉप्टरों का उपयोग करके हवाई अवलोकन, जनोपयोगी सेवा तथा संचार सहायता प्रदान करने के लिए सेना विमानन।

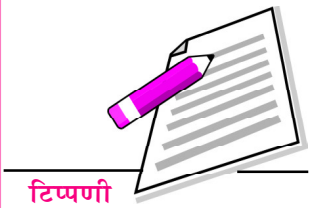

टिप्पणी

- संचार सहायता प्रदान करने हेतु सिग्नल्स।
- इंटेलिजेंस कोर

(ग) सर्विसेस

- आर्मी सर्विस कोर यांत्रिक और पशु परिवहन प्रबंधन सहित अन्य आपूर्ति का प्रावधान करके रसद सहायता तथा आवश्यक सामग्री पहुँचाती है।
- अग्रिम क्षेत्रों में तथा मुख्य भूमि तक चिकित्सा सहायता देने के लिए सेना चिकित्सा कोर।
- चिकित्सा सहायता के लिए सेना दंत चिकित्सा कोर
- आर्मी आर्डिनेन्स कोर (आर्डिनेन्स स्टोर, हथियार और गोला बारूद के लिए)
- सभी उपकरणों की मरम्मत के लिए इलेक्ट्रानिक्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
- पशुओं (घोड़े, खच्चरों और कुत्तों) के चिकित्सा सहायता के लिए रिमाउंट और पशु चिकित्सा कोर
- डाक सेवा के लिए आर्मी पोस्टल सेवा
- सैनिकों की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए आर्मी एजुकेशन कोर
- आर्मी फिजीकल एजुकेशन कोर (शारीरिक फिटनेस के प्रशिक्षण के लिए)
- मिलिट्री पुलिस कोर (यातायात एवं अनुशासन के लिए)
- मिलिट्री फार्म सर्विस (ताजा दूध एवं चारे की व्यवस्था के लिए)
- द पायनियर कोर (मजदूर उपलब्ध करावाने के लिए)
- डिफेंस सिक्योरिटी कोर
- कानूनी मुद्दों के लिए जज एडवोकेट जनरल ब्रांच
- मिलिट्री नर्सिंग सेवा (मिलिट्री) हस्पतालों में देखभाल के लिए

13.4 सेना के शस्त्र तथा उपकरण

1. **पैदल सेना** - यह सेना 9 मि.मी. पिस्टल, कार्बाइन, मशीन गन, INSAS राइफल, स्नाइपर राइफल, हल्के तथा मध्यम मशीन गन, मोर्टार, स्वचालित ग्रेनेड लांचर, रॉकेट लांचर, एंट्री टैंक मिसाइल तथा युद्ध क्षेत्र निगरानी रडार से लैस होती है।

चित्र 13.4 : ENSAS राइफल

2. **आर्मर** - बख्तरबंद रेजिमेंट टैंक से लैस है। भारतीय सेना के पास जो प्रमुख टैंक- T72 (अजेय टैंक), T90 (भीष्म) और अर्जुन मुख्य युद्ध टैंक हैं।

3. **मेकेनाइज्ड पैदल सेना** - छोटे हथियारों के अलावा BMP - 2 इन्फैंट्री लड़ाका वाहन यंत्र मेकेनाइज्ड पैदल सेना के मुख्य लड़ाकू उपकरण हैं। BMPs पर मशीन गन और एटी टैंक मिसाइल भी लगी होती हैं।

4. **तोपखाना** - आर्टिलरी रेजिमेंट लंबी दूरी की बंदूक से लैस है जो पैदल सेना का साथ देती है। इसमें फील्ड गन, मीडियम गन, हाविट्जर, मल्टी बैरल राकेट लांचर तथा लंबी दूरी की मिसाइलें शामिल होती हैं।

5. **मिसाइल** - भारतीय सेना में विभिन्न प्रकार की मिसाइलें हैं। इनमें प्रमुख हैं-

(अ) इंटरकांटिनेटल बैलिस्टिक मिसाइल

चित्र 13.5 : अग्नि शृंखला-I से V - 700 km - 8000 km

(ब) क्रूज मिसाइल

चित्र 13.6 : ब्रह्मोस - 290 किमी.

(स) टैक्टीकल बैलिस्टिक मिसाइल

चित्र 13.7 : पृथ्वी I, II व III - 150 - 350 कि.मी.

(द) एंटी टैंक गाइडिड मिसाइल (Anti Tank Guided Missile)

चित्र 13.8 : नाग एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल

6. सेना विमानन

(अ) चेतक व चीता हेलीकॉप्टर

(ब) 'ध्रुव' एडवांस लैंडिंग हेलीकॉप्टर

पाठगत प्रश्न 13.2

1. भारतीय सेना के कार्य क्या हैं?
2. भारतीय सेना की संगठनात्मक संरचना में डिवीजन का क्या अभिप्राय है?
3. भारतीय सेना के लड़ाका हथियार क्या हैं?

टिप्पणी

आपने क्या सीखा

- ब्रिटिश काल से वर्तमान तक भारतीय सेना में किस प्रकार परिवर्तन आए।
- भारतीय सेना की भूमिका एवं कार्य
- भारतीय सेना का संगठन एवं इसकी संरचना
- भारतीय सेना की कमान व नियंत्रण (कमीशन एवं नान कमीशन रैंक)
- भारतीय सेना का संगठन जिसमें फाइटिंग लड़ाका हथियार, सहायक हथियार तथा सेना सेवा शामिल हैं।
- मिसाइल जैसे विभिन्न हथियार एवं सामग्री जिनका भारतीय सेना द्वारा उपयोग किया जाता है।

पाठांत प्रश्न

1. स्वतंत्र भारत के सशस्त्र बलों की सैन्य संरचना के लिए फील्ड मार्शल क्लाउड ऑचिनलेक की प्रमुख सिफारिशें क्या हैं?
2. 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद सेना में क्या परिवर्तन किए गए?
3. भारतीय सेना की किन्हीं तीन सेवाओं के नाम लिखिए।
4. भारतीय सेना की विभिन्न कमांडों का उल्लेख कीजिए।
5. भारतीय सेना की कुछ मिसाइलों के नाम लिखिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

13.1

1. रॉयल मिलिट्री कॉलेज सैंडहर्स्ट
2. ब्रिटिश काल के दौरान आजादी के बाद 1962 व 1975 के युद्ध के बाद

13.2

1. सेना का कार्य बाह्य संकट, आंतरिक खतरों, अस्थिरता आदि को रोकना है तथा शांति स्थापना की कार्रवाईयाँ, मित्र देशों को सैन्य सेवा प्रदान करना तथा मानवीय सेवा करना, आपदा राहत कार्यों में नागरिक अधिकारियों को सहायता देना है। आपदा प्रबंधन का कार्य भी सेना करती है।
2. सेना में डिवीजन कोर के अंतर्गत होता है। इसमें लगभग 1500 लड़ाका सैनिक और सहायक होते हैं। इन डिवीजनों में पैदल डिवीजन, तोपखाना और बख्तर बंद डिवीजन हो सकते हैं।
3. भारतीय सेना के लड़ाके हथियार / शस्त्र या उपकरण हैं- बख्तरबंद गाड़ियाँ पैदल और मेकेनाइज्ड सेना।